SLRPHRI/ACAD/



SERIAL NO: _____

प्रस० प्रता० शाया पाक्तिक हेल्था प्रतं शिर्मच ईस्टीच्यूट जेठुली, फातुहॉ, पाटना, बिहार -803201 ; भारत S. L. Roy Public Health & Research Institute JETHULI, FATHUHA, PATNA, BIHAR 803201 (INDIA) इ-मेल / Email:- slrphri@gmail.com फोन - 09430082830, 9430072830 www.slrphri.ac.in



PROSPECTUS CUM APPLICATION FORM

ACADEMIC YEAR 2016-17

THE GAZETTE OF INDIA EXTRAORDINARY IPART III SEC REGD NO D.L.-33004/99 रजिस्ट्री सं॰ डी॰ एल॰ 33004/99 न्यूनतम 50% अंकों के साथ उच्चतर माध्यनिक (या इसके समकक्ष) एव 4 वर्षीय प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र स्नातक (बी.एल.एड.) The Gazette of India न्यूनतम 50% अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा (विशेष शिक्षा) EXTRAORDINAR भाग ।।।--- खण्ड 4 317 PART III-Section 4 प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY (ख) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा निरुपित मार्गदेशी सिद्धान्तों के अधीन उपयुक्त सरकारा नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 25, 2010/भाद्र 3, 1932 H. 215 NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 25, 2010/BHADRA 3, 1932 द्वारा आयोजित [अध्यापक पात्रता परीक्षा (टी.ई.टी) में उत्तीर्ण]। No. 215 राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (ii) कक्षा VI-VIII अधिसूचना नई दिल्ली, 23 अगस्त, 2010 (क) बी.ए. / बी.एससी और प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में द्विवर्षीय डिप्लोमा (जिस नाम से भी जाना फा, सं. 61-03/2010/एनसीटीई (एन एंड एस).—नि:शुल्फ एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिनियम 2009 (2009 क 35) भी धारा 23 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और स्कूली शिक्षा ओर साब्धुता विभाग, मातव जाता हो) संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरी दिनांक ३। गार्च, 2010 की अधिसृषना सं, का आ, 750(अ) के अनुसरण में गाटीय अध्यापक शिक्षा परिषद् एतदद्वारा इस अधियुवना को तिथि से निःशुत्क ओर अनिवार्य बाल शिक्षा अधिनवस् 2009 को धार * क खण्ड (ढ) में संदर्भित रुकुलों में कक्षा मि VIII में अध्यापक को रूप में नियक्ति को पात्रता हेतु जिम्बल्फिल ज्युनतम योग्देत या निर्धारित करती है :---ग्यूनतम 50% अंकों के साथ बी.ए. / बी.एस.सी. एवं शिक्षा शास्त्र में एकवर्षीय स्नातक (बी.एड.) न्यूनतम योग्यता (i) कक्षा I-V (क) व्यूनतम 50% अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं प्रारंभिक मिला शास्त्र में द्विवधीय डिंग्लामा या न्यूनतम 45% अंकों के साथ बी.ए. / बी.एससी एवं शिक्षा शास्त्र में एकवर्षीय स्नातक (बी.ए.ड.) जो जिब साम से भी जाना जाता हो.) าก इस संबंध में समय–समय पर जारी राष्ट्रीय अव्यापक शिक्षा परिषद (मान्यता, मानक और न्यूनतम 45% अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एवं प्रार्टीभक शिक्षा शाहव में द्विवर्णय डिप्लामा (जिस ताम से भी जाना जाता हो), जो राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (मान्यता: मानक और क्रियाविधि) ब्रिनियम, 2002 के अनुकर प्राप्त कियाविधि) विनियम के अनुसार प्राप्त किया गुया हा किया गया हो। भारत का राजपत्र : असाधारण THE GAZETTE OF INDIA : EXTRAORDINARY 111_1005 41. न्यूनतग 50% अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसके समकक्ष) एव 4 वर्षीय पारंभिक शिक्षा प्रारंभिक शिक्षा शारत्र में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा मान्यता--प्राप्त 6- माह का विशेष शास्त्र स्नातक (बी.एल.एड.) प्रशिक्षण प्राप्त कर ले । (ख) जिसके पास डी. एड. (विशेष शिक्षा) या बी.एड. (विशेष शिक्षा) की योग्यता है. उसे नियुक्ति या के बाद प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त 6--माह क ·यूनतम 50% अंकों के साथ उच्चतर माध्यमिक (या इसक समकक्ष) एवं 4 वर्षीय बी.ए./बी विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करना आवश्यक होगा 📔 🐖 एससी एंड. या बी.ए.एड. / बी.एससी.एड. इस अधिसूचना की तिथि से पहले नियुक्त अध्यापक :- इस अधिसूचना की तिथि से पूर्व या कक्षा I से VIII के लिए नियुक्त निम्नलिखित श्रेणी के अध्यापकों को उपर्युक्त पैरा (1) न न्यूनतम 50% अंकों के साथ बी.ए. / बी.एससी एवं एकवर्षीय बी.एड. (विशेष शिक्षा) निर्धारित न्यूनतम योग्यतां हासिल करने की आवश्यकता नहीं है :--(और) 5.16 (ख) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा निरुपित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अधीन उपयुक्त सरकारों (क) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (स्कूलों में अध्यापकों की भर्ती क लिए न्यूनतम द्वारा आयोजित [अध्यापक पात्रता परीक्षा (टी.ई.टी) में उत्तीर्ण]। योग्यताओं का निर्धारण) विनियम, 2001 (समय---समय पर यथा संशोधित) के अनुसार 3 सितम्बर, 2001 अथवा उसके बाद नियुक्त अध्यापक। 2. अध्यापक शिक्षा शास्त्र में डिप्लोमा / डिग्री पाठ्यकम - इस अधिसूचना के संदर्भ में केवल राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (राअशिप) द्वारा मान्यता–प्राप्त अध्यापक शिक्षा शास्त्र में किन्तु बी.एड. की योग्यता रखने वाले कक्षा 1 से V के अध्यापकों या बी.एड. (विशेष शिक्षा) डिप्लोमां / डिग्री पाठयकम मान्य होगा। शिक्षा शारेंग में डिप्लोमा (विशेष शिक्षा) और बी.एड. या डी.एड. (विशेष शिक्षा) की योग्यता रखने वाले अध्यापकों को प्रारंभिक शिक्षा शास्त्र में (विशेष शिक्षा) के लिए केवल भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा मान्यता-प्राप्त राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता–प्राप्त 6–माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करना पाठयकम मान्य होगा । होगा । विशेष अनिवार्य प्रशिक्षण - वह व्यक्ति,

(क) जिसके पास न्यूनतम 50% अंकों के साथ बी.ए. / बी.एससी और बी.एड. योग्यता है, कक्षा । रो V में नियुक्ति के लिए 1 जनवरी 2012 तक पात्र होगा वशर्ते कि वह नियुक्ति के बाद (ख) कक्षा I से V के शिक्षा स्नातक (बी.एड) योग्यताधारी अध्यापक जिसने पूर्व में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित 6-माह का विशेष आधारभूत अध्यापक पाउ्यक्रम (बिशेष, बी.टी.सी.) पुरा कर लिया है ।

एसा० एता० साथा पाक्तितक क्वेत्था एतं रिसीच ईस्टीच्यूट जेवुली, फतुहॉ, पटना, बिहार – 803201 (भारत) S. L. Roy Public Health & Research Institute JETHULI, FATHUHA, PATNA, BIHAR 803201 (INDIA) इ-मेत्ता/Email:- slrphri@gmail.com फोना:- 09430082830, 9430072830 www.slrphri.ac.in



FOREWORD

Dear Learner,

It gives me immense pleasure to welcome you to DHLS, DEd Spl Edu (HI) & DEd Spl Edu (MR) programme which are being offered by S. L. Roy Public Health & Research Institute, Patna, which are recognized by Rehabilitation Council of India, Govt. of India, New Delhi.

The said programme are being started with the overall objective to prepare a suitable manpower in the field of Disability rehabilitation, who can provide the basic Educational & rehabilitation services to the persons and children with disabilities at the periphery which is very much lacking at the present, as well as act as a first level referral point for the grass-root level to generate Speech and Hearing assistance, Rehabilitation Technician and Special Education professional who can take up routine assessment and therapeutic management and Educational programmes for persons and children with disabilities at village, taluka and town levels and work under the guidance of expert professionals in the field.

The above mentioned programmes are our collaborative efforts and I am well sure that these programs will not only help in catering the need of trained manpower and emphasis on community oriented services with the development of required manpower but also provide an ample opportunity for employment avenues both in organized sector & self employment for you.

I wish you all a very joy full future.

(Umesh Kumar) Secretary PARD, Patna

1. THE INSTITUTE

1.1Patliputra Association of Rural Development:

Patliputra Association of Rural Development (PARD) Patna is established in the year 1994 and been registered under Society registration act 1860 in the year 2000. It is a non-government, not-for-profit society with project head office based in Jethuli, Fathuha, Patna; which falls on the border of Vaishali and Patna and is very close to Nalanda District; and is easily accessible by bus and train services. In pursuit of its objective of Human resource development and to extend the services in Disability Rehabilitations, the Board has resolved to set up a technical institution namely S L Roy Public Health and Research Institute in the Name of Founder and an eminent Social worker.

1.2 S L ROY PUBLIC HEALTH AND RESEARCH INSTITUTE, PATNA

SLRPHRI, an Institute of social repute working under the PARD Patna for Social work which is the nerve center of community. Community survey is done for identification of challenged and out of school children, for mainstreaming them in formal education. The institute guides the parents for obtaining various relevant certificates from governmental authorities. It enables the Persons and children's with disabilities to get disability and railway concession certificates and other social benefits so that they can avail various government schemes. Institute organizes medical camps, dental camps, anemia detection camps, eye checkups, awareness programmes like AIDS/HIV/Cancer, seminars/workshops for upgrading the knowledge of community people organized by appropriate authorities etc periodically to cater to the needs of all.

As we are providing Rehabilitation Services and extending technical support to the organizations working in the field of disability rehabilitation. The Networking with various institutions, hospitals, placement agencies etc to create a common platform to work is a key function of the institute.

The prime objective of SLRPHRI, Patna is to meet the emerging need for trained human service professionals and provide quality comprehensive rehabilitation services to persons with disabilities under one roof and progressing towards building capacities to empower persons with disabilities, IBR & CBR programmes which have been the major focus of the center.

2.0: THE ACADEMIC PROGRAMME

The following long-term training programs are being offered at our training center for the academic year 2016-17.

2.1: DIPLOMA COURSE IN HEARING LANGUAGE & SPEECH (DHLS)

DHLS programme is designed to generate manpower that will cater to the need of individuals with communication disorders at the grass – root level. In this programmes the students are trained to identify individuals with communication disorders and make appropriate referrals for further diagnosis. The students are also trained to supervise the caregivers in followings the guidelines given by the professionals for rehabilitation. In order to be able to carry out early identification and basic rehabilitation of individuals with hearing impairment extensive practical is given to supplement the theoretical knowledge that is imparted. They will be ideally suited to work at rural health centre, DDRC, SSA special schools for spastics, schools for the mentally retarded and school for the deaf. Pass out students shall be designated as "Speech and Hearing Assistants.

2.2: DHLS CURRICULUM

The programe course content is classified into six papers and includes great practical exposure for the candidates

| Paper | Subjects |
|--------|---|
| DHLS 1 | Introduction to Audiology |
| DHLS 2 | Introduction to Speech & Language Pathology |
| DHLS 3 | Management of Communication Disorders 1 |
| DHLS 4 | Management of Communication Disorders 2 |
| DHLS 5 | Clinicals: Audiological assessment |
| DHLS 6 | Clinicals: Audiological management |
| DHLS 7 | Clinicals: Speech-language assessment |
| DHLS 8 | Clinicals: Speech-language management |

2.3: Diploma in Special Education (Hearing Impairment) - DEd Spl Edu (HI)

General Objective:

The D.Ed. in Special Education (HI) course aims to develop professionals for special education within a broad framework of education in the current millennium. The course will enable pre-service teachers to acquire knowledge, develop competencies and practice skills to impart education to Deaf & Hard of Hearing children. The general objective of the course is to prepare special teachers at pre-Primary (Nursery, Kindergarten etc.) and primary (I to IV – lower primary and V to VII – upper primary) levels to serve in the following settings:

- i) Special schools
- ii) Integrated \ Inclusive setup
- iii) Itinerant programmes

Knowledge related objectives:

To build adequate knowledge in the following areas:

- 1) Child rights and fundamental freedoms.
- 2) Communication options for children hearing impairment and informed choices.
- 3) Various legislations, declarations, policies and frameworks pertaining to disabilities.
- 4) Various aspects of hearing, hearing loss, its impact and management.
- 5) Methods and techniques of teaching language and other school subjects.
- 6) Various areas of child development and the relevant mental processes.

Skill related Objectives:

To develop skills and competencies in the following areas:

1) Personal, professional & social competencies & skills required in teachers,

2) Development of communication skills in children based on the informed choices.

3) Introductory training in using 'Verbal Language', 'Indian Sign Language' (ISL) and

'Total Communication' (TC) for helping children acquires skills in language and speech.

4) Subject teaching as per requirement,

5) Auditory Training and speech stimulation,

6) Development and adaptation of instructional materials,

7) Classroom management techniques,

8) Individual and group parent interaction.

Attitude related objectives:

To develop desirable attitudes towards following issues:

1) Respecting and accepting individual differences in children hearing impairment.

2) Creating equal opportunities, protection of rights and full participation of children with hearing impairment in the inclusive society.

3) Educational and communication related potentials of children with hearing impairment.

4) Creating awareness in society regarding the personal social aspects of disability.

2.4: DEd Spl Edu (HI) CURRICULUM

The programe course content is classified into twelve papers and includes emphasis on practical exposure.

| Paper | Subjects |
|-------|--|
| 01 | Introduction to disabilities |
| 02 | Educational Psychology |
| 03 | Education in the emerging Indian society and school administration |
| 04 | Inclusive Education for Children with Disabilities |
| 05 | Education of Children with Hearing Impairment |
| 06 | Language and communication |
| 07 | Fundamentals of hearing, deafness & audiological management |
| 08 | Fundamentals of speech and speech teaching |
| 09 | Curricular Strategies & Adaptations of lessons for children Deaf and Hard of Hearing |
| 10 | Family, Community and the child Deaf & Hard of Hearing |
| 11 | Content and Methodology of Teaching Science & mathematics |
| 12 | Content and Methodology of Teaching Social Science |

2.5: Diploma in Special Education (Mental Retardation) - DEd Spl Edu (MR)

The D.Ed.Spl.Ed. (MR) course aims to develop professionals for special education within a broad framework of education in the current millennium. The course will enable learners to acquire knowledge, develop competencies and practice skills to impart education to children with mental retardation.

The general objective of the course is to prepare special teachers at pre-primary (Nursery, Kindergarten etc.) and primary (I to IV – lower primary and V to VII – upper primary) levels to serve in the following settings:

- i) Special schools
- ii) Integrated \ Inclusive setup
- iii) Itinerant programmers

Knowledge Related Objectives:

To build adequate knowledge in the following areas:

1) Various aspects of disability, its impact and management.

- 2) Key aspects of education like goals, function, technology and emerging trends.
- 3) Educational needs of the children with disability and their management.
- 4) Details of planning and executing curricular and co-curricular activities.
- 5) Methods and techniques of teaching school subjects.

- 6) Various areas of child development and the relevant mental processes.
- 7) To be able to see the above mentioned aspects in the light of Indian context.

Skill Related Objectives:

To develop skills and competencies in the following areas:

- 1) Personal, professional and social competencies and skills required in teachers.
- 2) Subject teaching as per requirement.
- 3) Development and adaptation of instructional materials.
- 4) Evaluation of the students, teacher and the educational programme.
- 5) Planning and executing lessons (individualized and group).
- 6) Classroom management techniques.
- 7) Individual and group parent interaction.

Attitude Related Objectives:

To develop desirable attitudes towards following issues:

- 1) Role and need of education in the modern world.
- 2) Teaching profession and role of teachers in changing society.
- 3) Guiding children and solving their academic/behavior problems.

2.6: DEd Spl Edu (MR) CURRICULUM

The programe course content is classified into twelve papers and includes emphasis on practical exposure.

| Paper | Subjects |
|-------|--|
| 01 | Introduction To Disabilities |
| 02 | Human Growth And Development Life Span Approach |
| 03 | Educational Assessment, Teaching Strategies And Material Development |
| 04 | Training In Adaptive Skills And Functional Academics |
| 05 | Educational Psychology |
| 06 | Therapeutics |
| 07 | Education In The Emerging Indian Society And School Administration |
| 08 | Persons With MR And Associated Disabilities |
| 09 | Curricular Strategies |
| 10 | Family And Community |
| 11 | Inclusive Education For Children With Disabilities |
| 12 | Teaching Methodology Subjects |

03. ELIGIBILITY FOR ADMISSION

| S.N | Course Name | Eligibility | | | |
|-----|---|---|--|--|--|
| 01 | Diploma Course in Hearing Language & Speech (DHLS) | 10+2 (PCB or PCM) with a minimum of 50% marks from a recognized board of education or equivalent and relaxation under reveling rules of Govt. of Bihar will be applicable. | | | |
| 02 | Diploma in Special Education | 10+2 with a minimum of 50% marks from a | | | |

| | Hearing Impairment (D.Ed Spl Edu HI) | recognized board of education or equivalent and relaxation under reveling rules of Govt. of Bihar will be applicable. | | | | |
|----|---|---|--|--|--|--|
| 03 | Diploma in Special Education Mental Retardation (D.Ed Spl Edu MR) | 10+2 with a minimum of 50% marks from a recognized board of education or equivalent and relaxation under reveling rules of Govt. of Bihar will be applicable. | | | | |

04. AGE FOR ADMISSION

A minimum of 17 years at the time of applying for admission form for diploma courses however, preference will be given to below 30 years and 21 years in case of DHLS.

05. COURSE DURATION

| S.No. | Course | Duration |
|-------|--|----------|
| 01 | Diploma Course in Hearing Language & Speech (DHLS) | 01 years |
| 02 | Diploma in Special Education (HI) DEd Spl Edu (HI) | 02 years |
| 03 | Diploma in Special Education (MR) DEd Spl Edu (MR) | 02 years |

06. COURSES & SEATS

| S.No. | Courses | Number of seats |
|-------|--|-----------------|
| 01 | Diploma in Hearing Language Speech (DHLS) | 25 |
| 02 | Diploma in Special Education (HI) DEd Spl Edu (HI) | 25 |
| 03 | Diploma in Special Education (MR) DEd Spl Edu (MR) | 25 |

07. ATTENDANCE

As this is a professional Diploma level programme, the students should pursue the programme of the study continuously. A minimum of 80% attendance in each of the theory and practical papers separately shall be necessary before taking the respective examination. However, a relaxation of 10% attendance or as per the existing rule of the guidelines will be condoned on medical grounds.

08. STRIKING OF THE NAME FROM THE ROLLS:

On the following grounds the name of the student may be struck –off from the rolls of the institute and in such case no refund of fee shall be admissible.

- 1. Failure to pay the fees
- 2. Irregular or less than requisite attendance.
- 3. Any kind of misconduct or indiscipline

09. MEDIUM OF INSTRUCTION OF TEACHING & EXAMINATION

The medium of instruction of teaching and examination of all courses will be in English & Hindi language.

10. SCHOLARSHIP SCHEME

The OBC/SC/ST/PH candidates may submit supporting documents related with caste / income/disability certificates at the time of admission so that SLRPHRI Patna may initiate the process of forwarding their applications for availing State/national level

scholarship scheme under government norms itself to enable SLRPHRI to initiate forwarding application for Top Class Education Scheme within prescribed time, listed in guidelines by Govt. of India and Govt. of Bihar.

11. FEE STRUCTURE:

The fees will be charged as prescribed by Rehabilitation Council of India and Academic Board of PARD Patna from time to time.

| S.N | Particulars | DHLS | DEd SE (MR) | DEd SE (HI) |
|-----|---|----------------|-------------|-------------|
| 01 | University registration / Examination fee | As per NIHH | As per NIMH | As per NIHH |
| 02 | Admission and Enrolment fee (one time) | 5000.00 | 5000.00 | 5000.00 |
| | Tuition fee annual | 35000.00 | 35000.00 | 35000.00 |
| 03 | Library fee annual | 3000.00 | 3000.00 | 3000.00 |
| 04 | Computer Lab & Co- curricular Activities fee annual | 3000.00 | 3000.00 | 3000.00 |
| 05 | Educational Tour/Visit of Reputed institutions(one time) | 4000.00 | 4000.00 | 4000.00 |
| 06 | First Year Total fee | 45000.00 | 45000.00 | 45000.00 |
| 07 | Second Year Total fee | NA | 45000.00 | 45000.00 |
| | Grand Total | 45000.00 | 90000.00 | 90000.00 |

The candidate once admitted in the programme will not be allowed to leave the programme under any circumstances. *If the candidate still desires to leave the programme for any reason/s, the total fee and deposits paid by the candidate will not be refunded or readjusted under any circumstances.*

12. Application form to be submitted

The dully filled application form super-scribed, Application for admission in course should reach/submitted at the following address:

Contact for Detailed information:

The Executive Director S. L. Roy Public Health & Research Institute Jethuli, Fathuha, Patna, Bihar 803201 (India) Email:- <u>slrphri@gmail.com</u> <u>www.slrphri.ac.in</u> Phone:- 09430082830, 09430072830

DISCLAIMER

In the information in this Prospectus is only for the immediate use of the candidates and does not constitute a legal document. While all efforts have been made to make the information available here as authentic as possible, we are not responsible for any inadvertent error or inaccuracy that may have creptin.

तें स्पेशल बच्चों के लए बहाल होंगे प्रशिक्षित शिक्षक

पटना कार्यालय संवाददाता

20

अगर आपका बच्चा स्पेशल है और इसके कारण 5 शहर के स्कूलों में सामान्य बच्चों के साथ नहीं पढ 9 पाता है तो चिंता की बात नहीं है। अब ऐसे बच्चे भी 0 सामान्य बच्चों के साथ पढ़ सकेंगे। इन बच्चों को पढ़ाने के लिए सीबीएसई ने सभी स्कूलों को स्पेशल I (ट्रेंड) शिक्षक बहाल करने का आदेश दिया है। ये शिक्षक आरसीआई (रिहेब्रिलिटेशन 🕬 शिक्षक को रखना है। काउंसिल ऑफ इंडिया) से मान्यता प्राप्त होंगे। इस 🗘 विषय पर बोर्ड की ओर से छह अगस्त को गवर्निंग बॉडी की बैठक भी बुलाई गई है। बोर्ड के सर्कुला 🕂 के मुताबिक स्कूलों को ऑटिज्म, मानसिक तौर पर बीमार व अक्षर न पहचानने वाले बच्चों के लिए स्पेशल शिक्षक रखने का निर्देश दिया गया है

• सीबीएगई ने सभी स्कूलों को नियुक्ति के

लिए दिया आदेश

पहल

 आरसीआई से मान्यता प्राप्त स्पेशल शिक्षक ही होंगे बहाल

प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक के किस तरह के

सीबीएसई के सिटी कोआर्डिनेटर डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि कई सारे शिक्षक होंगे, जो स्पेशल बच्चों के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं, उनके लिए यह एक अच्छा प्लेटफॉर्म होगा। इससे पहले स्कूलों में स्पेशल बच्चों के लिए न तो कोई स्पेशल शिक्षक थे न ही सिलेबस। बोर्ड की पहल सराहनीय है।

सिक शिक्षा अधिकारी जनपद, गौतमबुद्धनगर

कार्यालय जि

केत शिक्षा के तहत विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा व समाज की मुख्य ात्मा का क 060 वासाध्य आवश्वकाता वाल बच्चा का त्याता व समाज का उठ्य 14 आतु बर्ग के 60–80 बच्चों हेतु 10 माह के लिए 02 (01 उठ्यप्राठीय मोनना ब्लॉक सीय प्रस्तीलेऐटेड लॉर्नेंग केम्प संघालित किये जाने हैं। उत्तत केम्प जवधि हेतु प्रति पर नेजा के र देकर के आवेदन एव संविदा के आधार पर वयन हेतु आमंत्रित किये जाते हैं। गम बार्क एक वार्डन जो कि दृष्टि विकलांगता के क्षेत्र में विशेषज्ञ होने जिनकी हैक्षिक

हम 01 नगीय (बिस्तोमा (DSE) अण्यता स्प्रेसल बीठएड० (बाठवाई०) अथवा ०२ पनियांस परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से। दृष्टि अक्षमता के क्षेत्र के खेराल

प किलोमा (DSE) अखवा स्पेमल बीठएडठ (एचठआईठ) अध्यत वर वर्डक व द्वाना मान्यता प्राप्त संस्था से है।

केम्प / बिजकोर्स / आवासीय रपेशल स्कूल में कार्य कल का अनुभव

मुर्ग अयधि में बच्चों के साथ रहना अनिवार्य होगा । पार्ष तबा की दर से देय होगा।

र का बयन दोनों एक्सीलेरेटेड लर्निंग कैम्पों में किया जायेगा जिसने दिर के लिये केम की समार्ग अवधि में बच्चों के राष्ट्र रेतना अनिवर्ध अग्यसी को वरीयता दी जायेगी जिन्होंने बिजकोर्स / वी-इंटी ग्रेशन अन्यत्मा का परावता का आजगा त्याका बालिकाओं के साथ अलग अन्त्र में कार्य किया हो। महिला केयर टेकर बालिकाओं के साथ अलग

रिपत्र / बायोडाटा अपने मोबाइल नंग सहित दिनांक 21 07 2015 तक -हिंट सुरजपुर (गौतमबुद्धनगर) में डाक हारा अथवा स्वयं कार्योत्वय 100 बजे अपने समस्त शैक्षिक, जाति एवं अनुभव प्रमाण पत्रों की भेये पूचक से कोई सूचना नहीं दी जावेगी तथा कोई यात्रा मत्ता का अधिकार समिति के पास सुरक्षित है।

(मनीज कुमार वर्मा) जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतमबुद्धनगर



शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने स्कूलों में विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए स्पेशल एजुकेटर की अनिवार्यता लागू कर दी है। देश भर में सीबीएसई से संबंद स्कूलों को बोर्ड ने न सीवाएसइ स संबद्ध स्वूला का बाड न न कारक इनकी नियुक्ति का आदेश दिया है अख्यानक योग्यता की भी स्वित अनिवाये अख्यानक योग्यता की भी स्वता अनिवाये प्रबंध समिति की बैठक में लिए गए का निर्णय से सभी स्कूल प्रमुखों की संवित क प्रबंध सामात निर्णय से सभी स्कूल प्रमुखों को सृचित कर दिया गया है। इससे विशेष जरूरत बाहे विद्यार्थियों को अध्ययन के बेहतर अवस मिलेंगे और वे सही मायने में स्कूली जिल हासिल कर पाएंगे। बोर्ड कई साल से इसके निर्देश दे रहा है, लेकिन स्कूल इसे गंभीखा रे

सीबीएसई ने लिया फैसला, स्कूल बरत रहे थे लापरवाही

नहीं ले रहे थे। स्कूलों के इस रवैये से इस श्रेणी के बच्चों की सामाजिक क्षमता व भावनात्मक क्षमता प्रभावित हो रही है।

किन विद्यार्थियों को चाहिए ये शिक्षक

स्पेशल एजुकेटर खासकर शारीरिक रूप से विकलांग, मानसिक रूप से मंद, आटिज्म से पीड़ित बच्चों को अतिरिक्त सहायता देकर सीखने में मदद करेंगे। सीबीएसई ने प्री स्कूल प्राइमरी, सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी स्तर पर नियुक्ति के लिए शैक्षणिक योग्यता के बारे में भी जानकारी स्कूलों को भेजी है।

Fo build adequate knowledge in:

1) Various aspects of disability, its impact and management

 Key aspects of education like goals, function, technology and emerging trends

3) Educational needs of the child with disabilities and their management

 Details of planning and executing curricular and cocurricular activities

 Methods and techniques of teaching school subjects
Various areas of child development and the relevant mental processes

7) To be able to see the above mentioned aspects in the light of Indian context



To develop skills and competencies in the following areas: 1) Personal, professional and social competencies and skills required in teachers 2) Subject teaching as per requirement 3) Development and adaptation of instructional materials 4) Evaluation of the students, teacher and the educational programme 5) Planning and executing lessons (individualized and group) 6)Classroom management techniques 7) Individual and group parent interaction

COST OF PROSPECTUS CUM APPLICATION FORM

| S.N | Category | Payment (by cash) | Mode of payment (by post) |
|-----|-------------|----------------------|---|
| 1 | General/OBC | 300 | Prospectus & application form can be obtained/downloaded from <u>www.slrphri.ac.in</u> or |
| 2 | SC/ST/PH | 250 | from above mentioned address by payment in cash /cheque/ DD of Rs.300/- (Gen & OBC) and Rs.250/-(SC/ST/PH) in favour of SLRPHRI payable at Patna. |



एस० एत० राय पब्लिक हेल्श एवं रिर्शव ईस्टीच्यूट

जेठुली, फतुहॉ, पटना, बिहार -803201 (भारत)

S. L. Roy Public Health & Research Institute

JETHULI, FATHUHA, PATNA, BIHAR 803201 (INDIA)

Email:- slrphri@gmail.com mla:- 09430082830, 9430072830 www.slrphri.ac.in

APPLICATION FORM FOR ADMISSION TO ACADEMIC SESSION 2016 - 17 (TO BE FILLED BY THE CANDIDATES OWN HANDWRITING IN CAPITAL LETTERS ONLY)

| | | DEMAND DRAFT DI | ETAILS | Affix passport |
|--|--------|---|--------|----------------|
| Bank Name: DD Number: DD Date: DD Amount: | | size cross signed color photographs | | |
| | | | | priotographic |
| | | | | |
| 1 | COURS | E APPLIED FOR | | |
| 2 | NAME C | OF THE CANDIDATE | | |

| 2 | NAME OF THE CANDIDATE (in block letters as given in 10 th Mark sheet) | | |
|---|---|-------|------------------------|
| 3 | FATHER'S NAME | | |
| 4 | MOTHER'S NAME | | |
| | DATE OF BIRTH | | Age in Years & Months: |
| 5 | GENDER | M/F/O | Marital status: |
| 6 | BLOOD GROUP | | |
| | ANNUAL FAMILY INCOME | | |
| 7 | CATEGORY | | |
| 8 | | | |
| | POSTAL ADDRESS | | |
| | (Street / City, State, Country Pin Code, Contact numbers and Email) | | |
| 9 | | | |
| | PERMANENT ADDRESS | | |
| | Street / City, State, Country Pin Code, Contact numbers and Email) | | |

11. Details of Educational Qualification (from 10th in chronological order):

| Name of the | Name of the | Year of | Subjects | % of | Medium | | |
|-------------|--------------|---------|----------|-------|--------|--|--|
| Degree | School/Board | Passing | | marks | | | |
| | | | | | | | |

12. Working Experience if any

| Name & address of the organization | From | То | Nature of duties and responsibilities |
|---------------------------------------|------|----|---------------------------------------|
| | | | |
| | | | |
| | | | |

13. Have you worked with persons with disabilities? If yes please give details:

- 14. How did you come to know about the institute and course: Advertisement / institute website/Friends/Relatives/NGO/Leaflets/Broacher/camp?
- 14. State in your own handwriting "Why do you want to join diploma/ Certificate programme in disability rehabilitation?"
 - (In one page, separate sheet to be attached).
- 15. Please check whether the following documents are attached with the application:
- a) Demand draft as applicable in favour **SLRPHRI**, payable at **PATNA**.
- b) Attested copy of all educational certificates.
- c) Attested copy of Proof of date of birth certificate (10th /Birth Certificate).
- d) Attested copy of conduct/ college leaving certificate.
- e) Category certificate as applicable.

DECLARATION

I hereby declare that all the information furnished in the application form is true to the best of my knowledge and belief. I have read the prospectus and am satisfied myself that I fulfill all the eligibility requirements prescribed. In the event of being found ineligible even at a later date, I understand that I will be denied the opportunity to appear in the entrance exam and if admitted, I will be removed from the programme. I promise to abide by the rules and discipline and norms of the Institute and University, during the study.

SIGNATURE OF APPLICANT

SIGNATURE OF PARENT

Place:

FOR OFFICE USE ONLY

Enrolment Number _____

Roll Number: _____

Date:

Signature of Course Coordinator